दिनांक–18 सितम्बर 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ में एमएसएमई इकाइयों को पचास हजार करोड़ रुपये का ऋण किया वितरित। कहा– पिछले सात वर्षों में प्रदेश के परम्परागत उत्पादों को मिली नई पहचान।
- मुख्यमंत्री ने वाराणसी दौरे के दूसरे दिन स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का किया शुभारंभ। कहा– बदली हुयी काशी को वर्ष दो हजार चौदह के बाद सभी ने देखा।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि–ईदगाह मामले में सुप्रीम कोर्ट ने विस्तार से विचार को बताया जरूरी। हाईकोर्ट की एकल पीठ के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दी प्रतिक्रिया।
- प्रदेश के चौबीस जनपद बाढ़ के पानी से घिरे, पांच लाख बासठ हजार से अधिक लोग हुए प्रभावित।
- एक अक्टूबर से मोटे अनाज की खरीद शुरू करेगी प्रदेश सरकार। तैयारियां आखिरी चरण में।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ में एमएसएमई इकाइयों को पचास हजार करोड़ रुपये का ऋण और हस्तशिल्पियों व कारीगरों को टूलकिट वितरित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के परंपरागत उत्पादों को पिछले सात वर्षों में फिर से नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जिन योजनाओं को प्रदेश में शुरू किया गया, वह आज लाखों लोगों के लिए रोजगार का जरिया बन गई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में हम लोगो ने जिन योजनाओं को दो हजार अठारह में दो हजार उन्नीस में प्रारंभ किया। वे योजनाएं आज देश के अंदर एक लोकप्रिय योजना न केवल बनी है बल्कि लाखों लोगो के लिए रोजगार और उत्तर प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में एक भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल अपने वाराणसी दौरे के दूसरे दिन स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही विश्वकर्मा जयंती पर पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को ई–बाउचर, प्रशिक्षण प्रमाण पत्र और ऋण के चेक प्रदान करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी ने 2014 के बाद बदली हुई काशी को देखा है। जैसे काशी बदली है, वैसे ही देश–उत्तर प्रदेश में भी बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वच्छता के बहुत आग्रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी स्वच्छता के बहुत आग्रही है और मुझे लगता है कि स्वच्छ भारत मिशन ने लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाया है। ये हमारे जीवन का हिस्सा बने। हम में से हर व्यक्ति शिक्षाग्रही बने। इस अभियान का हिस्सा बने। इसको निरंतरता देने वाले बने। ये हमारा राष्ट्रीय मिशन बनना चाहिए। जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। कोई सार्वजनिक स्थल हो, कोई आस्था का केंद्र हो, कोई सार्वजनिक मार्ग हो, रेलवे स्टेशन हो या कोई भी स्थान हम वहां पर स्वयं गंदगी भी न करें और न किसी को गंदगी करने दे। अगर कोई करता है तो हम उसको बोलें। मुझे लगता है कि स्वच्छ भारत मिशन की सफलता जनता जनार्दन की सहभागिता और स्वेच्छाग्रियों के समर्पण पर निर्भर करता है।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन के अवसर पर कल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में हवन कर प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए प्रार्थना की। साथ ही मंदिर परिसर में 74 किलो के लड्डू का प्रसाद वितरित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने वाराणसी में रक्तदान शिविर और लखनऊ में प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघर्षों से बढ़कर अपना मार्ग बनाया, राष्ट्र के प्रति प्रेम, समर्पण और ईमानदारी उनके जीवन का हिस्सा है। यही वजह है कि पिछले 10 वर्ष में हमने बदलते भारत को देखा है। इसी क्रम में प्रदेश भर में विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई दी गई।

****

केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी कल गाजियाबाद में स्वभाव स्वच्छता– संस्कार स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में श्री गडकरी ने कहा कि सरकार ने विभिन्न सड़क और राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण से निकलने वाले प्रदूषणकारी तत्वों से पर्यावरण के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने यात्रियों और ऑटोमोबाइल कंपनियों से स्थायी प्रथाओं को अपनाने और वैकल्पिक, हरित ईंधन जैसे सीएनजी, हरित हाइड्रोजन और जैव–इथेनॉल का उपयोग करने का आह्वान किया। श्री गडकरी ने राज्य मंत्री अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा के साथ एक पेड़ माँ के नाम के तहत एक पौधा भी लगाया।

****

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एनपीएस–वात्सल्य योजना की आज शुरूआत करेंगी। प्रदेश के छह जनपदों समेत 75 स्थानों पर इस योजना को लांच किया जायेगा। प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत अयोध्या, सहारनपुर, लखीमपुर खीरी, देवरिया और

संभल इस कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़ेंगे। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई में वित्त वर्ष 2024–25 का पूर्ण बजट पेश करते समय इस योजना को शुरू करने की घोषणा की थी।

****

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कल बुलंदशहर में सामाजिक अधिकारिता शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. वीरेंद्र कुमार ने वर्चुअली देश के 75 आकांक्षी ब्लॉकों में आयोजित हो रहे शिविरों का भी शुभारंभ किया। इन शिविरों का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है, जिसके अंतर्गत नौ हजार से अधिक पूर्व–चिह्नित दिव्यांग लाभार्थियों को एडिप योजना के तहत विभिन्न श्रेणियों के निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

****

17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़े के तहत कल प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ के बालागंज और बृजेश पाठक ने चारबाग मेट्रो स्टेशन के बाहर सफाई कर स्वच्छता अभियान के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाई। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने लखनऊ में डूडा कॉलोनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने डालीगंज में श्रमदान किया।

****

मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि ईदगाह प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में कल सुनवाई हुई। हाईकोर्ट द्वारा हिंदू पक्ष के दावों को सुनवाई योग्य मानने के बाद इस मामले में मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। जस्टिस संजीव खन्ना व जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मामले में कई तरह की कानूनी पेचीदगियां हैं। इस पर विस्तार से विचार की जरूरत है। कोर्ट ने शाही ईदगाह कमेटी की लगभग 1600 पेज की याचिका पर कहा कि रिट का परीक्षण किया जाएगा। एक अगस्त को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही मस्जिद ईदगाह विवाद को सुनवाई योग्य माना था। कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद की जमीन के स्वामित्व को लेकर हिंदू पक्षकारों की ओर से दाखिल सभी 15 सिविल वादों को सुनने योग्य मानते हुए मुस्लिम पक्ष की पांचों आपत्तियां खारिज कर दीं। ईदगाह कमेटी ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

****

पहाड़ों पर हो रही बारिश और बांधों से पानी नदियों में लगातार छोड़े जाने की वजह से प्रदेश के 24 जनपदों में रहने वाले पांच लाख बासठ हजार से अधिक लोग प्रभावित हैं। गंगा से सटे बदायूं, गाजीपुर, बलिया और फतेहपुर, घाघरा नदी बाराबंकी, अयोध्या और तुर्तीपार में खतरे के निशान को पार कर गई है। वहीं गंगा नदी वाराणसी, कानपुर देहात और शारदा नदी लखीमपुर खीरी में खतरे के निशान से महज आधा मीटर नीचे है। वाराणसी, प्रयागराज में नाव के संचालन पर भी रोक लगा दी गई है। प्रयागराज से हमारे प्रतिनिधि की एक रिपोर्ट

प्रयागराज में पिछले 5 दिनों से गंगा और यमुना नदी के जलस्तर में हुई वृद्धि से प्रयागराज के एक दर्जन से अधिक मोहल्लों में बाढ़ की स्थिति बनी है साथ ही 100 से अधिक गांव इससे प्रभावित है। बाढ़ के मद्देनजर कक्षा 1 से लेकर 8 तक के सभी बोर्ड के स्कूल आज 18 सितंबर को बंद रखा गया है। बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा सभी बाढ़ ग्रस्त इलाको में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए है। इन सभी क्षेत्रों में जल पुलिस और एन डी आर एक की टीम तैनात की गई है।

बाढ़ से प्रभावित लोगो के लिए शहर और ग्रामीण दोनो इलाकों में कुल सात जगहों पर अस्थाई कैंप व शरणालय बनाए गए है जहा पर दो हजार से अधिक लोग शरण लिए हुए है। खतरे के निशान से गंगा और यमुना का जल एक मीटर नीचे है। प्रयागराज में खतरे का निशान 84.7 मीटर है।प्रवीण मिश्र,आकाशवाणी समाचार प्रयागराज

****

प्रदेश में मोटे अनाज की खरीद प्रक्रिया एक अक्टूबर से शुरू होगी, जो 31 दिसंबर तक चलेगी। सरकार की ओर से श्रीअन्न में शामिल मक्का, बाजरा और ज्वार की खरीद के लिए किसानों का पंजीकरण और नवीनीकरण चल रहा है। खाद्य और रसद विभाग के मुताबिक, इसके लिए किसानों का एफसीएस डॉट यूपी डॉट जीओवी डॉट इन या यूपी किसान मित्र ऐप पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। श्रीअन्न को बढ़ावा देने के साथ ही सरकार ने इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाया है। मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2 हजार 225 रुपये प्रति कुंतल, बाजरा का 2 हजार 625 रुपये प्रति कुंतल, ज्वार–हाइब्रिड का 3371 और ज्वार मालवांडी का 3 हजार 421 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है।

****